



CAREER COUNSELING SESSION
 Organized by
Department of Jyotirvigyan
 In association with
The counseling and Guidance Cell, University of Lucknow

June 28, 2021 at 02:30 PM

STUDENT VOLUNTEERS
 Mr. Vaibhav Sharma
 Department of Jyotirvigyan
 University of Lucknow
 Mr. Rishi Kumar
 Department of Jyotirvigyan
 University of Lucknow

GUEST SPEAKER
 'ज्योतिर्विज्ञान में रोजगार के अवसर'
 'Job opportunities in Jyotirvigyan'
Dr. Vinod Kumar Mishra
 Principal - Baba Daulatgiri Sankarit Mahavidhyalaya
 Harinagar, Lucknow-226018

Zoom Meeting Link- <https://us04web.zoom.us/j/77987934878?pwd=RTF3REMOYmhQ5ZlRlRVJRaG9NdU9NQT09>

ORGANISING COMMITTEE

Prof. Arvind Awasthi
 Head
 Department of Jyotirvigyan
 University of Lucknow

Prof. Madhurima Pradhan
 Director
 Counselling and Guidance Cell
 University of Lucknow

Dr. Satyaketu
 Co-ordinator
 Department of Jyotirvigyan
 University of Lucknow

Name of Department - Department of Jyotirvigyan

1. Topic- ज्योतिर्विज्ञानमेंरोजगारकेअवसर
 (Job opportunities in Jyotirvigyan)
2. Resource person- Dr. Vinod Kumar Mishra
 Principal - Baba DaulatgiriSankaritMahavidhyalaya,
 Harinagar, Lucknow-226018
3. No of participants- 48 person.
4. Main points covered- Astrological Sector for job, self-employment, new researches, increasing impact of Jyotirvigyan in significant institutions like as IIT.
5. Feedback of students- Impactful Lecture, motivation for new researches in the field of astrology, very informative, get more information about private companies/sector who make jobs for students of Jyotirvigyan.

आज दिनांक 28 जून 2021 को लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में परामर्श और मार्ग दर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में ज्योतिर्विज्ञान में रोजगार के अवसर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसके प्रमुख वक्ता डॉ विनोद मिश्र जी, प्रधानाचार्य- बाबा दौलत गिरि संस्कृत महाविद्यालय, हरिनगर, लखनऊ थे। डॉ मिश्र जी ने कोरोनाकाल में ज्योतिष व आयुर्वेद के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए ज्योतिर्विज्ञान को स्व-रोजगार का सशक्त माध्यम बताया। इसके साथ ही साथ, आई०आई०टी० जैसे महत्त्वपूर्ण संस्थानों में नये शोध के अन्तर्गत भारतीय विज्ञान में ज्योतिर्विज्ञान के विशेषग्रन्थ लीलावती (वैदिक गणित के रूप में) को सम्मिलित किये जाने का उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त पञ्चाङ्ग निर्माण, ज्योतीषीय सॉफ्टवेयर, आयुर्वेद, मौसम से सम्बन्धित क्षेत्र में रोजगार की बात कही।

कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के परामर्श और मार्ग दर्शन प्रकोष्ठ की निदेशिका प्रो० मधुरिमा प्रधान ने इसे विश्वविद्यालय स्तर पर एक नवीन पहल बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के हित में हो रहा है ताकि सभी छात्र अपने विषयगत ज्ञान को प्राप्त करके जल्द से जल्द स्वयं को रोजगार से युक्तकर ले तथादेश की प्रगति में अपनी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम में लगभग 50 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत डॉ अनिल कुमार पोरवाल ने किया। सञ्चालन का कार्य डॉ बिपिन कुमार पाण्डेय जी के द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन विभाग के समन्वयक डॉ सत्यकेतु जी ने किया।

